EHD-02: हिंदी काव्य

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2023 एवं जनवरी 2024 सत्रों के लिए)

हिंदी काव्य
पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.डी–02
हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम

ignou THE PEOPLE'S UNIVERSITY

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम : बी.डी.पी / ई.एच.डी–02 / टी.एम.ए / 2023–24

प्रिय छात्र / छात्राओ,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य–सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई 2023 सत्र के लिए	:	**30 अप्रैल, 2024**
जनवरी 2024 सत्र के लिए	:	**31 अक्तूबर 2024**

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

इस सत्रीय कार्य में आपसे मुख्य रूप से तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं :

1. संदर्भ सहित व्याख्या
2. निबंधात्मक प्रश्न
3. टिप्पणियाँ

संदर्भ सहित व्याख्या में काव्यांश का संदर्भ और अर्थ, काव्य सौंदर्य तथा काव्य भाषा की विशेषताओं को शामिल किया जाना अपेक्षित है। व्याख्येय अंशों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में देने हैं। निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 600 शब्दों में लिखने हैं तथा टिप्पणियों के उत्तर लगभग 300 शब्दों में देने हैं।

1. **अध्ययन :** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास :** उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,
ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,
ग) उत्तर, प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
घ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम – हिंदी काव्य
(सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम : बी.डी.पी / ई.एच.डी–02
सत्रीय कार्य कोड : ई.एच.डी–02 / टी.एम.ए / 2023–2024
पूर्णांकः 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 10x4=40

(क) अबिगत गति कछु कहत न आवै
ज्यौ गूंगे मीठे फल को इस अन्तरगत हीं भावै।
परम स्वाद सबही तु निरंतर अमित तोषु उपजावै ।
मन–बानी कौं अगम–अगोचर, सो जाने जो पावै ।
रूप–रेख–गुन–जाति–जुगति–बिनु निरालंब कित धावै।
सब विधि अगम बिचारहिं तातैं सूर सगुन लीला – पद – गावै

(ख) एहि – घाट ते थोरिक दूर अहै कहि लौ जलथाह दिखाई हौं जू।
परसे पग धूरि तरे तरनी, घरनी घर का समझाइ हौं जू ।
"तुलसी" अवलंबन और छू, लरिका केहि भांति जिआइ हौं जू।
बर मारिए मोहि बिना पग धोए हौं नाथ न नाव चढ़ाइहौं जू

(ग) नहिं परागु, नहिं मधुर मधु, नहिं विकास इहि काल।
अली, कली ही सौं बंध्यो, आगे कौन हवाल।।

(घ) बीती विभावरी जाग री ।
अम्बर पनघट में डुबो रही –
तारा–घट उषा नागरी
खग–कुल कुल कुल सा बोल रहा
किसलय का अंचल डोल रहा
लो यह लतिका भी भर लाई
मधु मुकुल नवल रस गागरी।
अधरों में राग अमन्द पिये,
अलकों में मलयज बंद किये।
तू अब तक सोई है आली।
आँखों में भरे विहाग री ।

2. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए : 10 x 5=50

(क) आदिकाल के अर्थ और स्वरूप पर प्रकाश डालिए।
(ख) रहीम के काव्य के भाव पक्ष की विशेषता बताइए।
(ग) घनानंद के काव्य की भक्ति भावना का उल्लेख कीजिए।
(घ) द्विवेदी युगीन काव्य की साहित्यिक प्रवृत्तियों को विस्तार से समझाइए।
(ड.) केदारनाथ अग्रवाल के काव्य की अन्तर्वस्तु का विवेचन कीजिए।

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 300 शब्दों में टिप्पणी लिखिएः 5 x 2=10

(क) मुक्तिबोध के काव्य का संरचना और शिल्प
(ख) कुरुक्षेत्र का काव्य–रूप और नामकरण